हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, सोमवार 26 मई 2025

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

आकाशवाणी पर प्रस्तुति देंगी नवनीता दुबे

मण्डला। वरिष्ठ साहित्यकारा एवं शिक्षिका श्रीमती नवनीता दुबे की कविताओं का प्रसारण आकाशवाणी जबलपुर के कार्यक्रम गुड मॉर्निंग जबलपुर के अंतर्गत 'काव्य रस' में किया जाएगा। प्रसारण 2 जून को सुबह 7.20 बजे से आकाशवाणी के जबलपुर केंद्र से होगा। नवनीता ने अपने काव्यपाठ में ऑपरेशन सिंदूर के नायक वीर सैनिकों से लेकर गर्मी माह समेत विभिन्न विषयों पर स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की हैं। यह कार्यक्रम आकाशवाणी जबलपुर के मीडियम वेव पर और 'न्यूज ऑन एयर' (newson-air) मोबाइल ऐप पर देश भर में सुन सकेंगे।

नारायणगंज में 1 घंटे लगातार बारिश से उमस एवं गर्मी से राहत

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज में सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे जिससे बहुत ही उमेश एवं गर्मी से लोग परेशान हुए फिर अचानक हवा तूफान आने के कारण करीब शाम 5:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक झमाझम बारिश हुई जिससे लोगों को उमस एवं गर्मी से राहत मिली तूफान बहुत ही जोर का था जिसके कारण बाजार में लगे पाल पर्दे उड़ गए लोगों ने इस पानी के गिरने से राहत की सांस ली।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया राजकुमार कालपाण्डे को सम्मानित

सौसर। हाल ही में नागपुर के केन्द्रीय नींबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री षिवराज सिह चौहान हस्तें पांढुर्णा जिले के किसानों को उन्नत खेती एवं बेहतर उत्पादन के लिये सम्मानित किया गया। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत सौसर विकासखंड के ग्राम हिवरा खंडेरायवार के उन्नत किसान राजकुमार कालबाडे को केन्द्रीय कृषि कल्याण मंत्री हस्तें सम्मानित किया गया। केन्द्रीय मंत्री श्री सिह ने एक राष्ट्र, एक कृषि एक टीम की अवधारणा पर बल देते हुये कहा कि, केन्द्र और राज्य सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों और किसानों को मिलकर काम करना चाहिये ताकि, कृषि क्षेत्र में चमत्कारिक परिवर्तन लाया जा सके। उन्नत किसान राजकुमार कालंबाडे ने 65 एकड में संतरा और मौंसबी का बगीचा लगाया है। जिसमें गत 2024 मे संतरे के 5 सौ पेडों से बीस लाख, तथा 2023 में मौसम्बी के छह सौ पेडों से 12 लाख का उत्पादन लिया था। श्री कालंबांडे ने बताया कि, मै और मेरा भाई विक्की कालंबाडे दोनो ही उन्नत खेती के लिये समय-समय पर वैज्ञानिकों का मार्गदर्षन लेकर बेहतर उत्पादन लेते है। अन्य किसानों ने भी वैज्ञानिकों के मार्गदर्षन लेकर खेती को लाभ का धंधा बनाने का प्रयास करना चाहिये।

हज यात्रा पर निकले रकीब खान का किया स्वागत-सत्कार

सौसर। सौसर से हज के लिए निकले लोगों का स्वागत सत्कार कर रवाना किया गया।मदीने वाले को मेरा सलाम कहना इस्लाम धर्म में पाच अरकान माने जाते है। जिसमें सबसे अहम हज को माना गया है। हमारे हुजुर की जियारत करने सौसर से रकीब खान उनकी पत्नी गुडडी सहित हज के लिये रवाना हुये। बडे किस्मतवाले लोग होते है जिन्हे हुजूर बुलाते है अल्लाह करे हम सभी की तमन्न पूरी करे हमें भी नसीब हो हुजू की जियारत। इसी की दरखास्त आज जो हज पर रवाना हुये उनसे दरखास्त की गई। पूरे विष्व में भारत एकता और अखंडता के लिये जाना जाता है। वहा पर जाकर हुजूर की बारागाह में दरखास्त करे कि, हमारी एकता और अखंडता हमेषा कायम रहे। इस अवसर पर पूर्व जिला अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष साबिर षेख, खिदमत गुरप के संचालक मतीन खान, पूर्व जामा मस्जिद सदर षफी खान, हुसैन शेख, शकील पटेल, इनु खान, साजिद खान, अषफाक पटेल, आसिफ खान आदि उपस्थित थे।

भगवान जन्म नहीं लेते अवतार लेते हैं

अभिशाप के चलते भगवान को लेना पड़ा अवतार

मनु एवं शतरूपा को भगवान ने दिया था वरदान

हरिभूमि न्यूज, मण्डला।

भगवत गीता में स्वयं भगवान ने कहा है कि जब-जब धर्म की हानि होती है जब-जब धरा पर असत्य का बोलबाला होता है और सत्य को दरकिनार कर अधर्म के प्रति लोगों की रूचि और व्यवहार बढ़ता है तब-तब भगवान को धर्म की स्थापना हेतु अवतार लेना पड़ता है। त्रेता युग में भी जब लंकेश रावण और उसकी राक्षसी सेना के कारण ब्राम्हण, ऋषि मुनि न तो पूजन पाठ कर पाते थे और न ही हवन आदि का आयोजन हो पाता था ये धार्मिक कार्य जहां भी संपन्न होते राक्षसों की सेना वहां पहुंच जाती और हवन का विध्वंस कर ऋषि मुनियों की हत्या कर डालती। राक्षसों के डर से हवन पूजन बंद हो चुके थे और इनक कमी के चलते देवताओं का बल क्षीर्ण होता जा रहा था अधर्म के बोझ से धरती अत्यंत दुखित और पीड़ित थी लिहाजा वह देवताओं के साथ भगवान ब्रम्हा के पास अपनी व्यथा सुनाने पहुंची भगवान ब्रम्हा ने अखण्ड ब्रम्हाण्ड के स्वामी के पास जाने को कहा जब सभी बैकुण्ठ जाने तैयार हुये तो भगवान शिव ने कहा कि कहीं जाने की आवश्यकता नहीं प्रभु तो सभी जगह मौजूद है लिहाजा यहीं उनकी स्तुति की जाये और ऐसा ही किया गया तब भगवान ने प्रकट होकर देवताओं की और पृथ्वी की पीड़ा सुनी और राक्षसों का वध करने के लिये स्वयं अवतार लेने को कहा।

इसके साथ ही देवर्षी नारद द्वारा दिये गये भगवान को श्राप के चलते भी भगवान को धरा पर अवतार लेना था कहा जाता है कि भगवान के अवतार का कोई एक कारण नहीं बल्कि 5 कारणों के चलते श्रीराम प्रकट हुये थे राजा दशरथ एवं माता कौशल्या जो कि पूर्व के जन्मों में मनु एवं शतरूपा के रूप में भारी तप किया था और इसी तप के प्रभाव से भगवान ने उन्हें कुछ भी मांगने का वरदान दिया था तो वरदान के स्वरूप माँ शतरूपा ने भगवान के जैसे पुत्र की कामना की तब प्रभु ने कहा कि मैं अपने जैसा पुत्र कहां से लाऊ लिहाजा मैं स्वयं ही आपके यहां पुत्र रूप से अवतार लूंगा।

इस तरह विभिन्न कारणों से भगवान को समय-समय पर अवतार लेना पड़ा है कल की कथा में कथा वाचक सुश्री गीता कुमारी पानजी ने श्रीराम जन्म की कथा श्रवण कराई जब भगवान माता कौशल्या के गर्भ में अवतरित हुये तभी से पूरी अयोध्या का कायाकल्प होना प्रारंभ हो गया था सरयू नदी में अमृत के समान जल प्रवाहित हो रहा था तो पहाड़ों में मणी चमचमाने लगी थी ऋषियों का आगमन होना प्रारंभ हो गया था देवतागण भी विभिन्न रूपों में अयोध्या पहुंच रहे थे और जब सब तिथि एवं नक्षत्र भगवान की कृपा से अनुकूल हुये तो फिर भगवान ने पृथ्वी के अवतार के लिये अवतार लिया।

आज कथा का अंतिम दिवस रहेगा और कल 27 मई दिन मंगलवार को हवन पूजन के साथ भण्डारे का आयोजन किया जायेगा समिति सदस्यों ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाने अपील की है।

जुआ-सट्टा और समाप्त हो रहा है समाज में सम्मान

हरिभूमि न्यूज, मण्डला।

52 पत्ते जुआ के खेल ने पूरे जिले को सकते में डाल रखा है जगह जगह स्थान बदल बदल कर लग रहे जूआ के खेल से अनेकों घर बर्बाद हो चुके हैं युवा पीड़ी इन 52 पत्तों के गेम के आगोश में हैं रात भर वाहनों की धमाचौकड़ी इन फड़ो के आसपास चलती रहती है कहीं नैनपुर, बम्हनी, पुरवा, मोतीनाला, पांडूतला, बिछिया, गढ़ी और बैहर बालाघाट सहित चाहे जहां ये खेल रात रात भर चलते रहते हैं ऐसे स्थानों पर पूरे एसो आराम की व्यवस्था होती है खाना पीना के साथ उधारी का लेन देन भी मौजूद रहता है इसी तर्ज से विगत कुछ समय से नगर के कुछ जगहों में ये खेल खेला जा रहा है।

सोशल मीडिया में वायरल ऑडियों के जिले के ही भुआबिछिया विकासखण्ड के एक दैनिक अखबार के पत्रकार का बताया जा रहा है जिसमें प्रति सप्ताह जुआ खिलाने के एवज में 15000 रूपये की मांग की गई जबकि जुआ खिलाने वाले की ओर से 8000 रूपये दिये जा रहे थे और इसी बात को लेकर दोनों के बीच मतभेद भी सामने आये और फिर जब बात नहीं जमी तो फिर जाने कैसें यह ऑडियों वायरल हो गया। इस ऑडियों के वायरल होने के बाद न केवल पत्रकारिता के नाम पर अपनी छवि चमकाने वालों की कलई खुलकर सामने आ गई बल्कि यह भी स्पष्ट हो गया कि आखिर ऐसे धंधे किन लोगों की सह पर चलते हैं और पुलिस चाहते हुये भी ऐसे धंधों को क्यों नहीं बंद कर पा रही। नियम विरूद्ध शराब का विक्रय हो या फिर जुआ सट्टा का कारोबार इनमें पत्रकारिता भी कहीं न कही संलिप्त नजर आ रही है जिन लोगों के माध्यम से स्वार्थ के वशीभूत पत्रकारिता को कलंकित किया जा रहा है उन्हें सार्वजनिक करना होगा ताकि पत्रकारों के सम्मान और उनके कार्य की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित हो सके।

पड़रिया के वार्ड नंबर 12 में थोड़ी सी बारिश से भी भर गया रोड में पानी

नारायणगंज।

जनपद पंचायत नारायणगंज केंद्र का ग्राम पंचायत पड़रिया के वार्ड क्रमांक 12 में थोड़ी सी बरसात का पानी गिरने से पुरी रोड में पानी भरा हुआ है विगत सालों से यह समस्या जैसी की तैसी है परंतु इस पर संबंधित अधिकारी या सरपंच सचिव ध्यान नहीं दे रहे हैं जिसके कारण यहां से पैदल निकलना मुश्किल हो रहा है इस वार्ड में वार्ड मेंबर के घर के सामने पानी भरा हुआ है परंतु वार्ड मेंबर इस ओर ध्यान नहीं जा रहा है इस बाढ़ के लोग द्वारा कहा जा रहा है कि इस संबंध में लगातार पंचायत में शिकायत की गई है परंतु इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है पूरी नाली के ऊपर अतिक्रमण फैला है जिसके कारण नालियां चौक हो रही है नालियों का गंदा पानी भी सड़क में आ जाता है थोड़ी सी बरसात के पानी गिरने से नालियों की गन्दगी रोड में आ जाती है जिससे लोगों को दुर्गंध एवं कीड़े मकोड़े का डर बना रहता है इस संबंध में कई बार 181 लगाई गई परंतु दबाव डालकर 181 वापस ली गई है फिर भी लोगों ने यह सोचा कि बरसात के पहले ही नालियों की मरम्मत एवं बंद पड़ी नालियों की साफ सफाई लिए पंचायत द्वारा कुछ ना कुछ व्यवस्था की जाएगी परंतु इस तरह की लापरवाही होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है विगत वर्ष से यह काम रुका हुआ है पडरिया पंचायत के कई वार्डों में जिससे नालियों का गंदा पानी भी सड़क में आ जाता है परंतु अभी तक कोई सुधार नहीं किया गया जिसके कारण लोगों को मजबूरी बस 181 का सहारा लेना पड़ता है परंतु अब तो लोगों की आदत बन गई है लेकिन पंचायत द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा घर के सामने गंदगी दुर्गंध कीड़े मकोड़े से लोग परेशान हैं जिसके कारण उन्होंने 181 लगे परंतु 181 एक साल से लगाई जा रही है पर उसे पर कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण लोग दुर्गंध के पानी से निकलना पड़ रहा है अतः बाड निवासियों ने निवेदन किया है की तत्काल इस और ध्यान दिया जाए जिससे आने-जाने में जो परेशानी हो रही है वह परेशानी से बच सके।

मॉयल कामगार संगठन ने मनाई 21वीं वर्षगांठ

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। देश की प्रतिष्ठित खनन कंपनी मॉयल लिमिटेड में कार्यरत श्रमिक संगठन मॉयल कामगार संगठन (INTUC) ने आज दिनांक 25 मई 2025 को अपनी स्थापना के 21 वर्ष पूर्ण कर लिए। इस अवसर पर संगठन की सभी स्थानीय इकाइयों—भरवेली, उकवा, तिरोड़ी, चिखला, डोंगरी बुजुर्ग, कोंद्री, मनसर, गुमगांव, बेलडोंगरी और नागपुर मुख्यालय—में हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में संगठन द्वारा विगत दो दशकों से अधिक समय में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को याद किया गया और कर्मचारी हित में संगठन की भूमिका को रेखांकित किया गया। मॉयल कामगार संगठन ने अपनी स्थापना के बाद से ही कर्मचारी कल्याण, वेतन सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और विभागीय पदोन्नति जैसे मुद्दों पर सशक्त पहल की है। संगठन की दो प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है दो बार 10-10 वर्षों का वेतन समझौता, जिसने कर्मचारियों को आर्थिक स्थिरता एवं मजबूती प्रदान की। इसके साथ ही विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिससे हजारों कर्मचारियों को प्रगति के अवसर मिले।

कार्यस्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जीवन एवं सम्मानजनक कार्य-परिस्थितियाँ सुनिश्चित करने हेतु संगठन ने अनेक योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करवाया। इन प्रयासों के फलस्वरूप कामगार वर्ग के जीवन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। इस अवसर पर संगठन के महामंत्री श्री राम अवतार देवांगन और कार्याध्यक्ष श्री मुकुंद जांबुलकर ने एक संयुक्त संदेश जारी किया। उन्होंने कहा— "प्रिय मजदूर और कर्मचारी साथियों, आज हम सबकी यूनियन मॉयल कामगार संगठन को मान्यता प्राप्त हुए 21 गौरवशाली वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इन वर्षों में हमसे जितना हो सका, कर्मचारियों के सामाजिक, आर्थिक और जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास किया।

मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, विभिन्न स्थानों हुए कार्यक्रम

मण्डला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें एपिसोड का सीधा प्रसारण मंडला जिले के अनेक स्थानों में आयोजित किया गया। जहां प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम में मंडला विधायक एवं पीएचई कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने मुर्गाटोला ग्राम पंचायत जैदेपुर के बूथ क्रमांक 96 में कार्यक्रम में शामिल हुई जहां ग्रामीणों को मन की बात का सीधा प्रसारण दिखाया गया। वही मंडला सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने बबलिया मंडल के बूथ क्रमांक 130 में शामिल हुए। एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा ने मंडला विधानसभा के बूथ क्रमांक 312 में सुना।

जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 मई को चर्चित रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें एपिसोड में प्रमुख ज्वलंत मुद्दों समेत विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे. माओवाद के खिलाफ चल रहे सरकार के अभियान की भी चर्चा की. उन्होंने कहा, इससे प्रभावित रह चुके क्षेत्रों में विकास एवं शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है.

ज्ञात हो कि सरकार ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त करने की बात कही है. इसके लिए ऑपरेशन के साथ-साथ विकास के काम भी किये जा रहे हैं. पीएम मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में माओवादी हिंसा की चपेट में रहे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में काटेझरी जैसे दूरदराज के गांवों में दी जा रही बुनियादी सुविधाओं की चर्चा की। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के काटेझरी गांव का जिक्र करते हुए कहा, ₹बस से यात्रा करना आम बात है लेकिन मैं आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताना चाहता हूं, जहां पहली बार बस आई. वहां के लोग इस दिन का वर्षों से इंतजार कर रहे थे और जब पहली बार गांव में बस आई, तो लोगों ने ढोल-नगाड़े बजाकर उसका स्वागत किया.उन्होंने छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा क्षेत्रों में विज्ञान प्रयोगशालाओं जैसी शैक्षणिक सुविधाओं के प्रसार का भी उदाहरण दिया. इन इलाकों में कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम बेहतर आने पर खुशी जताई. उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा जिला 95 प्रतिशत परिणामों के साथ 10वीं कक्षा की परीक्षा में छत्तीसगढ़ में शीर्ष स्थान पर रहा. 12 वीं कक्षा की परीक्षा में राज्य में छठा स्थान प्राप्त किया.प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मन की बात. की पिछली कड़ी में उन्होंने बस्तर ओलंपिक और माओवाद प्रभावित जिलों में विज्ञान प्रयोगशालाओं की सफलता पर चर्चा की थी. उन्होंने कहा कि यहां के बच्चे विज्ञान के प्रति जुनूनी हैं और खेलों में कमाल कर रहे हैं. ये प्रयास बताते हैं कि इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग साहसी हैं. चुनौतियों के बावजूद उन्होंने ऐसा रास्ता चुना है जो उनके जीवन को बेहतर बनाता है।

जयघोष के साथ हुआ नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जन जागरूकता यात्रा का शुभारंभ

जन अभियान परिषद् द्वारा निकाली गई नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा

मण्डला। ग्राम पंचायत बड़झर विकासखण्ड मोहगांव के दक्षिण तट से नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जन जागरूकता यात्रा का शुभारंभ किया गया। करुणामई माता जी एवं हरिदास महाराज, दल प्रभारी श्री सुनील कुमार साहू, सहयोगी संतोष कुमार झारिया विकासखण्ड समन्वयक मंडला, नेमलाल धुर्वे विकासखण्ड समन्वयक, ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में यात्रा की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गठित मंत्री मंडलीय समिति की प्रथम बैठक में जीवन दायिनी मां नर्मदा के जल को निर्मल तथा प्रवाह को अविरल रखना एवं समग्र विकास हेतु 10 विभागों यथा नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि एवं कल्याण किसान, वन, राजस्व, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, संस्कृति,पर्यटन, धर्मस्व, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी व खनिज संसाधन एवं जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए गए थे कि परिषद स्तर से बैठक के निर्णय नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता एवं जन जागरूकता हेतु गतिविधियों का संचालन एवं समन्वय किया जाए। उक्त निर्णय के परिपालन में परिषद द्वारा नर्मदा तटीय 16 जिलों के किनारे 51 विकासखण्डों की मां नर्मदा के तटीय 535 ग्राम पंचायतों में जन जागृति के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। मंडला जिले की 70 ग्राम पंचायतों में 25 मई से 5 जून 2025 तक सर्वेक्षण एवं जन जागरूकता यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा के शुभारंभ अवसर पर ग्राम पंचायत बडझर, सिंगापुर, देवगांव, कुंडों पानी, चंदवारा, चौगान के पंच, सरपंच, सचिव, जन प्रतिनिधियों एवं संबंधित पंचायतों के ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

खबर संक्षेप

नीम हकीमों की हुकूमत के आगे प्रशासन बना उदासीन, आम लोगों की जिन्दगी से हो रही खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों इन दिनों नीम-हकीम अनाड़ी थैला छाप चिकित्सकों की हुकूमत देखने को मिल रही है, जिनके द्वारा इलाज के नाम पर रोगियों के परिजनों से जमकर चांदी काटी जा रही है। यह पहला अवसर नहीं है कि जब इस संबंध में संबंधित विभाग का ध्यान न दिलाया गया है, इसके पूर्व भी ग्रामीणजनों से मिली शिकायतों के अनुसार जिला प्रशासन का ध्यान देने के लिए मांग की जा चुकी है, किन्तु ऐसे कथित चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही के नाम पर परिणाम सिफर ही साबित हुए हैं। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ऐसे अनेक ग्रामीण अंचलों का जायजा लिया जावे तो निश्चित तौर पर एक गाँव में ऐसे आधे दर्जन से भी अधिक नीम हकीम थैला छाप चिकित्सक मिल जावेंगे जो अवैध रूप से अपना कारोबार संचालित करते हुए धड़ल्ले से अपनी दुकानदारी कर रहे हैं। उल्लेखानीय है कि जहां एक ओर एक ओर शासन द्वारा नगर में क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने हेतु तो स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गई है मगर उसमें चिकित्सकों का आभाव के चलते लोगों को सभी लाभ नही मिलने का परिणाम है कि ग्रामीण अपनी बीमारी के चलते अपनी जान पर बन आते देख इन कथित नीम हकीमो से ही इलाज कराना पड़ता है? सूत्र बताते हैं कि गांव के गलियारों में चिकित्सा व्यवसाय करने वाले ऐसे दर्जनों नीम हकीम है जिनके पास चिकित्सा संबंधी डिग्री नहीं है, किन्तु कुछ तो ऐसे भी थैला छाप चिकित्सक हैं जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के नाम पर एलोपैथिक चिकित्सा व्यवसाय करते देखे जा रहे हैं और उनके द्वारा किये जाने वाले इलाज से रोगियों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है? जानकारी के अनुसार शहर के कुछ निजी नर्सिंग होमों में कम्पाउण्डर का काम करने वाले कर्मियों द्वारा भी गांव में अपना डॉक्टरी पेशा शुरू कर दिया गया है तथा रोगियों को हाई पावर दवाईयां देकर उनके जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से इस समय देखा जावे तो मौसम के विपरीत होने की स्थिति में जहां मरोजों का इजाफा हो रहा है, वही दूसरी ओर इन छोलाछाप डाक्टरों की चांदी हो रही है।

बेकारी से तंग आ चुके युवा, आजीविका चलाने शासकीय भूमि देने की उठा रहे मांग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर में शैक्षाणिक संस्थाओं का जाल बिछाने से युवा शिक्षित तो हो रहे है किन्तु उन्हे मिलने वाली डिग्रियॉ नगर में रोजगार के अवसर कम होने से बेमानी साबित हो रही है, उल्लेखनीय है कि शासकीय नौकरियो का टोटा होने से शिक्षित बेरोजगार स्थानीय स्तर पर नौकरी तलाशत हुये भटक रहे हैं पर उन्हे क्षेत्र की फैक्ट्रियो में भी कथित कोटे के अनुसार नौकरियॉ नही मिल पा रही है, इस हालत में उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय प्रतीत हो रहा है, बेकारी से तंग अनेक युवाओं ने बताया कि उनमें काम करने जज्बा, ताकत भी है पर नौकरी न रहने से वे अपने परिवार को आर्थिक सहारा नहीं दे पा रहे है, वक्त के पहलें उनकी खुशिया छिन गयी है तथा एक तरह से वे अपने परिवार पर बोझ बनकर रह गए है, उन्होने बताया कि म.प्र.सरकार की मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत कई नौजवानो के बैंको से आर्थिक सहायता लेने के जो फार्म भरे थे, उनके आधार पर बैंकों से उन्हे ऋण देने में आनाकानी की जा रही है। जिसका नतीजा है कि उन्हे बेवजह मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत ऋण लेने के लिए शासकीय कार्यालयों की परिक्रमा लगाने मजबूर होना पड़ रहा है, बेकार युवाओं का दर्द है कि कई विभागों में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियो की ओवरप्लो बाढ़ हो गयी है। जिसके चलते अब लोग भी नौजवानो को दैनिक भोगी कर्मचारी नियुक्त कराने से कतराने लगे है। ऐसी स्थिति में सिर्फ शहर के शिक्षित बेराजगारो के सामने वर्तमान में यह विकल्प बाकी रह गया है कि उनके द्वारा छोटी दुकाने खोल अपनी जीविका चलाते हुए अपने बूढ़े माता पिता, भाई, बहिनों को सहारा देकर सम्मान से जीवन बिताया जाए,लेकिन युवाओं की बदनसीबी है कि शहर में व्यापक पैमाने पर शासकीय भूमि या तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ी हुई है या फिर बेरोजगारों पर रहम न करते हुए प्रभावशाली लोग इस भूमि को चपेट मकान, दुकानें बना अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहे है।

राष्ट्रीय शिल्प महोत्सव मेला में 11 के व्ही लाईन के समीप खड़ा किया गया नाव झूला दे रही बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

निश्चित तौर से जब नगर में कोई प्रदर्शन या फिर मेला लगाया जाता है तो उसमें स्थानीय सक्षम अधिकारियों के साथ साथ पुलिस व नगर पालिका की अनुमति प्राप्त की जाती है। वही दूसरी ओर वह अनुमति उसी शर्त पर प्रदान की जाती है कि जिस नाम से मेले लगाया जा रहा है उसमें उस सामग्री के अलवा अन्य दूसरी सामग्री नही रहेगी तथा मेला व प्रदर्शन में पहुंचने वाले मासूम बच्चों सहित सभी लोगों के लिये सुरक्षा के प्रबंध करने के आलवा लोगों के लिये साफ सुधरा शौचालय की व्यवस्था भी बनाये जाने सहित अन्य प्रकार की शर्तें शामिल रहती है....? मगर इस समय नगर में बल्लभ मार्केट के पास एक कदम आत्मनिर्भर भारत की ओर राष्ट्रीय शिल्प महोत्सव मेला प्रदर्शनी एवं बिक्री के नाम पर लगाई गई प्रदर्शनी के नजारे देखते हुये लोग हैरत में पड़ने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर शासन प्रशासन के अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से अनुमति प्रदान की गई है उसकी सच्चाई मौके पर देखते हुये ऐसा प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है कि शायद अधिकारियों द्वारा अपने चैम्बर में बैठकर मासूमों की जिन्दगी के खुलेआम खिलबाड़ करने का प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है..? नगर में राष्ट्रीय शिल्प महोत्सव के नाम पर संचालित हो रही इस प्रदर्शन में जहां हाथ से बनाई गई सामग्री तो जिस तरह चंद् जगहों पर नजर आने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मानो शिल्प के नाम की औपचारिकता निभाई जा रही है और शिल्प कला के नाम पर खुलेआम विदेशी माल का विक्रय करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..? शिल्प का मतलब होता है हाथ से निर्मित की गई सामग्री। मगर यहां पर चाय के कपों से लेकर बच्चों के खेल खिलौने सहित चूड़ी कंगन सहित अन्य प्रकार की सामग्री जहां खुलेआम चायना निर्मित देखने मिल रही है। इतना ही नही यहां पर दुकानदारों द्वारा खुद ही अपने मुंह से यह बात कहते हुये सुना जा रहा है कि यह चायना मॉडल है..। इस सच्चाई के चलते जहां शिल्प महोत्सव के नाम पर सजाई गई यह प्रदर्शनी अपने आप ही सबालों के घेरे में आने से नही चूक रही है..? क्योंकि हाल ही में पहलगांम में हुये हमले के बाद जिस तरह भारत व दुश्मन देश की स्थिति निर्मित होने के बाद जो देश पाकिस्तान के साथ खुडे हुये देखे जा रहे थें उनको लेकर देश के प्रधानमंत्री द्वारा भी खुले शब्दों में कहा गया है कि जो देश हमारे दुश्मन देश के पक्ष में खड़े नजर आ रहे थें अब उनसे सभी प्रकार से यानि की व्यापारिक संबंध खत्म किये जावेगे। इसी के चलते अनेक महानगरों में चीन सामग्री की होली जलाते हुये देखा जा रहा है। मगर हमारे नगर में शिल्प महोत्सव के नाम पर लगाई गई इस प्रदर्शनी में देशी के नाम पर खुलेआम विदेशी माल का विक्रय होते हुये दिखाई देने से यह प्रतीत होते हुये जान पड़ रहा है कि मानों यहां पर दुश्मन देश के सहयोगियों को खुलेआम मदद करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..? वही दूसरी ओर जिस तरह से प्रदर्शनी प्रागंण में झूला सजाये गये है वह मासूमों के लिये खतरे की घंटी बजाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..? बताया जाता है कि बच्चों को झुलाने के लिये नाव झूला को यहां से निकली हुई 11 के व्ही लाईन के समीप खड़ा किया गया है। जब यह झूला झुलते हुये ऊपर की ओर पहुंचता है तो इस हाई पावर लाईन के तार काफी समीप हो जाते है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि झूला झूलने के समय किसी व्यक्ति द्वारा इन तारों की ओर कोई सामग्री उठाल दी गई या फिर भगवान न करे कि इस समय लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच अचानक बिजली लाईन के तार टूट जाते है और कोई हादसा होता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा..? इस तरह सही मायने में देखा जावे तो प्रदर्शनी के नाम पर मासूमों की जिन्दगी को खुलेआम दांव पर लगाते हुये मौत का मंजर देखने मिल रहा है..? इतना ही नही चल रहे प्रदर्शनी मेला में जहां सैकड़ो की संख्या में दुकानदारों से लेकर कर्मचारी आये हुये है तो वही दूसरी ओर प्रतिदिन मेले में नगर के लोग भी सैकड़ो की संख्या में पहुंच रहे है। मगर उनके लिये न तो किसी तरह से शौचालय की व्यवस्था बनाई गई है। इसका परिणाम इस तरह देखने मिल रहा है कि लोग जरूरत मेहसूस होने पर खुले मैदान का उपयोग करते हुये नगर पालिका के स्वच्छता सर्वेक्षण को ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? वही अन्य सुरक्षा प्रंबधों पर नजर डाली जावे तो जिस स्थान पर बच्चों के झूला सजाये गये है वहां पर जहां भवन निर्माण सहित अन्य प्रकार की सामग्री रखी होने के साथ साथ लोगों के चार पहिया से लेकर दो पहिया वाहन पहुंचते देखे जा रहे है। इस स्थिति में निश्चित तौर से बच्चों की जिन्दगी को खतरा बनने से नही चूक रहा है..। इस तरह बीते हुये लगभग दो हप्ता से अधिक समय से चल रही इस प्रदर्शनी की सच्चाई को नगर व क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है..? वही दूसरी ओर जिन अधिकारियों द्वारा इस प्रदर्शनी को स्थापित करने के लिये अपनी ओर से अनुमति प्रदान क गई है। क्या उनके द्वारा एक बार भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करना उचित नही समझा गया है जिसके चलते खुलेआम हाई पावर बिजली लाईन के नीचे मौत का खेल खेला जा रहा है..? इस तरह इस प्रदर्शनी को स्थापित करने के लिये अनुमति प्रदान करने वाले अधिकारियों की भूमिका सबालों के घेरे में इसलिये आने से नही चूक पा रही है कि क्या उनके द्वारा माँ लक्ष्मीजी के आर्शीवाद के चलते इस तरह मासूमों की जिन्दगी को खतरे में डालने की अनुमति प्रदान कर दी गई ..? खैर सच्चाई जो भी हो उसके तो भगवान ही जाने..। मगर पूर्व के वर्षो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब भी नगर सहित जिले स्तर पर इस तरह प्रदर्शनी मेला सजते हुये देखे गये है उस दौरान नगर सहित क्षेत्र में बड़ी बड़ी चोरी व अन्य प्रकार की घटनाओं ने जन्म लिया गया है..? बताया जाता है कि इन मेलों जिस तरह से बाहरी लोगों की भरमार होती है उनमें किस तरह के लोग शामिल होते है इस बात का न तो पुलिस प्रशासन के पास कोई रिकार्ड रहता है और नही किसी को कोई पता रहता है..। जब क्षेत्र में इस तरह की बड़ी घटना घटित होती है और बाहरी लोग घटनाओं को अंजाम देकर भाग जाते है तो पुलिस के साथ साथ नगरवासी भी उन आरोपियों की खोज में भटकते हुये देखे जाते है और हाथ खाली देखने मिलते है। यह सच्चाई पुलिस थाने के रिकार्ड में देखी जा सकती है कि नगर व क्षेत्र में जब जब इस तरह बड़े प्रदर्शनी मेलों का आयोजन हुआ है तो किस तरह क्षेत्र में चोरी सहित अन्य प्रकार की बड़ी घटनाओं में इजाफा हुआ है..। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि बीते हुये दिनों जिस तरह समीपस्थ तेदूखेड़ा क्षेत्र मे घटित हुई एक बड़ी चोरी की घटना की सच्चाई को लेकर लोगों द्वारा सबाल खड़े किये जाने लगे है..। इस प्रका से नगर में जिस तरह शिल्प कला के नाम पर संचालित हो रहा प्रदर्शनी मेला में विक्रय होने वाली सामग्री जहां अपने आप ही मेले के नाम के विपरित नजर आ रही है। वही दूसरी ओर जिस प्रकार से हाई पावर लाईन के समीप बच्चों को झूलाने के लिये नाव झूला लगाया गया है। वही नगर के जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य प्रणाली को सवालों के घेरे में खड़ा करने से नही चूक रहा है...?

नगर के बीटीआई स्कूल में व्यावसायिक शिक्षा पर छात्रों की ऑन जॉब ट्रेनिंग हुई संपन्न

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

स्थानीय पी एम श्री शास. बालक उच्च. माध्य. विद्यालय (बी टी आई) स्कूल में नवीन व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत आईटी ट्रेड के छात्रों ने अपनी ऑन-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। बताया जाता है कि शहर के बी टी आई विद्यालय में पिछले लगभग 10 वर्षों से नवीन व्यावसायिक शिक्षा, विद्यालय के प्राचार्य के प्रेरणादाई निर्देशन में व्यावसायिक प्रशिक्षकों की कर्मठता से सफलता के साथ संचालित हो रही है। प्रत्येक वर्ष एग्जिट लेवल (कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं) के छात्रों को मई माह में 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग कराना, नवीन व्यावसायिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य सोपान है। इसी उद्देश्य को पूरा करने हेतु विद्यालय प्राचार्य एवं प्रशिक्षकों के चयन से, इस सत्र में बी टी आई विद्यालय के छात्रों ने नगर की सुविख्यात संस्था *सारा ग्रुप ऑफ एजुकेशन* के कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र

सारा कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र

में बीते हुये 1 मई से 24 मई के बीच अपनी 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग पूर्ण की, जिसका समापन बीते हुये दिवस हुआ। सारा कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र आई टी एवं कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर, बी सी ए, पीजीडीसीए आदि पाठ्यक्रम संचालित करने वाला संस्थान है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा १२ के छात्रों ने पायथन प्रोग्रामिंग, वेबपेज डेवलपमेंट, डेटाबेस निर्माण एवम कंप्यूटर पर होने वाले कमर्शियल कार्यों को सीखा। जबकि कक्षा १० के छात्रों ने डेटा एंट्री कौशल, हिंदी टाइपिंग के साथ ऑफिस पैकेज के विभिन्न एडवांस्ड एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान सारा ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संचालक कमल साहू ने छात्रों के लिए श्रेष्ठ प्रशिक्षक, आधुनिक व सुसंपन्न कंप्यूटर लैब, ICT उपकरणों, सर्वसुविधापूर्ण प्रशिक्षण कक्षों के साथ छात्र हेतु हर संभव सुविधा की उपलब्धता पूर्ण मनोयोग एवं निस्वार्थ भाव से सुनिश्चित की। केंद्र के प्रशिक्षकों ने भी अपनी मेहनत और समर्पण भाव से छात्रों को प्रशिक्षित कर उनके कौशल विकास में अपनी महती भूमिका अदा की गई। शासन की इस पहल से छात्रों को व्यावसायिक कौशल में प्रशिक्षित होने और उन्हें आत्मनिर्भर भविष्य के निर्माण में मदद मिलती है। शासन का उद्देश्य छात्रों को उद्योग की मांगों के अनुसार तैयार करना है, जिससे वे अपने करियर में सफल हो सकें। वही विद्यालय की प्राचार्य श्री मति सुनीता पटेल एवं जिला व्यावसायिक समन्वयक मुकेश साहू के द्वारा संपूर्ण प्रशिक्षण की निगरानी की गई ताकि इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। साथ ही वी टी पी - जी के एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा नियुक्त वोकेशनल ट्रेनिंग कॉर्डिनेटर अनुराग नागर ने भी निरंतर उक्त कार्यक्रम की समीक्षा की गई। वही कार्यक्रम का सम्पूर्ण आयोजन बी टी आई स्कूल की श्री मति सुनीता पटेल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में हुआ एवं व्यावसायिक प्रशिक्षक विनोद कुमार तिवारी एवं अंशुमान दुबे ने अपने परिपक्व नियोजन, अनुभव व अथक परिश्रम से इस प्रशिक्षण को साकार एवं सफल बनाया।

शहर में लगे हुये बिजली खम्बों पर निजी कंपनी द्वारा अपनी लाईन डालकर किये जा रहे उपयोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के मुख्य मार्गो से लेकर कालोनियों में बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये विद्युत सप्लाई व्यवस्था के खम्बों पर बीते हुये लगभग दो सालों से जिस तरह निजी कंपनी द्वारा अपनी लाईन डाली गई है उसको लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है? इस तरह सरकारी बिजली खम्बों पर डाली जाने वाली केबिल में जियों कंपनी का मार्का अंकित होने से यह अनुमान लग रहा है कि शायद निजी कंपनी जियों द्वारा अपने संचार व्यवस्था के लिये इन सरकारी खम्बों का उपयोग किया जा रहा है? मगर बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये यह खम्बे जहां शासकीय संपत्ति माने जाते है और उनका उपयोग सिर्फ बिद्युत व्यवस्था के लिये उपयोग करना बताया जाता है? मगर इसके बाद भी जिस तरह से निजी कंपनी द्वारा इन खम्बों का उपयोग करने के लिये खम्बों के ऊपर चढ़कर जहां अपनी सामग्री फिट करते हुये उनके ऊपर अपनी केबिल डालने का कार्य किया जा रहा है इससे निश्चित तौर से नगर में विद्युत उपभोक्ताओं के लिये जहां परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा तो दूसरी ओर निजी कंपनी द्वारा डाली जाने वाली अपनी केबिल में इतनी ढील दी जा रही है जिसके चलते नगर की कालोनियों व मुहल्लो में जब कोई वाहन प्रवेश करेगा तो वह फंसने से नही बच पायेगा...? इस स्थिति में निश्चित तौर से आये दिन बिद्युत सप्लाई व्यवस्था में बांधा पहुंचने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वैसे भी देखा जावे तो नगर के अंदर लगे हुये बिजली खम्बों की हालत यह बनी है कि वह पहले से ही विद्युत लाईनों के चलते मकड़ी के जाल के समान बने हुये है और उसी के ऊपर से इस नई लाईन के डाले जाने से विकट स्थिति बनने से नही चूक पा रही है तो सबाल यह पैदा हो रहा हे कि यदि किसी दिन कोई घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार कौन रहेगा..? मगर इसके बाद भी खुलेआम बिजली खम्बों का निजी कंपनी द्वारा उपयोग किये जाने के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक सबाल खड़े करने से नही चूक रही है? कही ऐसा तो नही कि बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते आपसी समझौता करते हुये इन्हे शासकीय संपत्ति का उपयोग करने के लिये चूपचाप तरीके से अनुमति प्रदान कर दी गई हो? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर इस तरह शासकीय संपत्ति का निजी कंपनी द्वारा उपयोग करने के साथ बिद्युत सप्लाई खम्बों पर डाली जाने वाली यह लाईन नगरवासियों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पायेगी?

धान का कटोरा कहे जाने वाले सालीचौका क्षेत्र में आये दिन लेनदेन के लिए भटकते हैं लोग

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जिस प्रकार से सालीचौका क्षेत्र का विकास हो रहा है उसे देखते हुए क्षेत्र के लोग अनेक जरूरी सुविधाओं के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है, क्षेत्रवासियों की परेशेानियों को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद इस ओर क्षेत्र के नेताओं द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक बात साबित होने से नही चूक रहे है..? वही दूसरी ओर यदि सालीचौका क्षेत्र की विकास गति पर गौर किया जावे तो जहां कृषि के क्षेत्र में सालीचौका को धान का कटोरा कहा जाता है। वही क्षेत्र में दो बड़ी बडी राईस मिलों के साथ साथ बड़ी बड़ी दो शुगर मिले भी संचालित हो रही है, वही व्यापक स्तर पर अनाज का व्यापार करने वाली व्यारियों के आलवा यहां पर उप पुलिस चौकी, शासकीय चिकित्सालय केन्द्र व बिजली आफिस तथा हायर सेकेण्डरी स्कूलों के आलवा देखा जावे तो सालीचौका क्षेत्र से आस पास के अनेक गांव जुडे हुये है जो सालीचौका की व्यवस्थाओं पर आधारित रहते है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में किसी बड़ी बैक की स्थापना न होना आम लोगों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण साबित होते हुए देखा जा रहा है, एक ओर जहां देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत देश को संपूर्ण विश्व में अलग दर्जा प्रदान करने की सोच रखते हुए डिजीटल बनाने की सोच रखते हुए संपूर्ण लेनदेन केश लेंस करने में लगे हुये है जिसके चलते लोगों के खाते बैकों में खुलबाने से हर लेने देन के कार्य को बैकों में माध्यम से कराना चाहते है। वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए भी हितग्राहियों के खातों में पैसा डालते हुए बैकों में माध्यम से उन तक पहुंचाया जा रहा है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में मात्र एक बैक के भरोसे क्या डिजीटल इंडिया होने का सपना पूरा हो पायेगा यह सिर्फ सोचने वाली बात ही नही बल्कि चिंता जनक सच्चाई है..? इस प्रकार से देखा जावे तो यहां पर स्थित मात्र एक यूको बैक की ब्रांच होने के कारण लोगों का लेनदेन के लिए दिन भर भीड़ लगी हुई देखी जाती है। वही दूसरी ओर दूसरे गांवों से आने वाले लोग बैक के कार्यो के चलते दिन दिन भर बैक के सामने बैठे हुए दिखाई देते है, जिसमें इस समय केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किये जाने वाले प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर अन्य प्रकार की योजनाओं के तहत हितग्राहियों की राशि भी बैक के खातों में आने के कारण नगर की एक मात्र बैक ब्रांच में हितग्राहियों का अपनी राशि निकालने के लिए मेला लगते हुए दिखाई दे रहा है। कहने के लिए तो यहां पर एटीएम की स्थापना की गई है मगर एटीएम की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि आये दिन एटीएम के रूपयों की कमी या फिर अन्य गड़बड़ी के चलते एटीएम मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह गया है? इस प्रकार अनेक समस्याओं से जूझ रहे सालीचौका क्षेत्र में आम लोगों की परेशानियों से निजात दिलाने के लिए न तो आज तक किसी बडे नेता द्वारा आवाज उठाई गई है और न ही उन छुटभेया नेताओं द्वारा उन परेशानी लोगों की समस्याओं पर ध्यान दिया जा रहा है जो आये दिन अपने आप को प्रभावशाली बताने के साथ समस्याओं से निजात दिलाने का भरोसा दिलाते हुए अपने कुर्ता की सफेदी का रौब दिखाने में कोई कसर नही छोड़ते है? जबकि सालीचौका क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए सालीचौका में कम से कम चार पांच बैकों की स्थापना महसूस किये जाने लगी है,

जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सालीचौका में स्थापित इस बैक की क्षमता को ध्यान में रखते हुए अनेक व्यापारियों द्वारा मजबूरी बस अपना लेनदेने भारतीय स्टैट बैक के माध्यम से करते हुए देखा जाता है। इस स्थिति में अनेकों बार देखा गया है कि जब लोग अपना नगदी जमा करने या फिर गाडरवारा से नगदी लेकर यहां आते है तो लूट जैसी घटना घटित हो चुकी है, जिसके चलते सालीचौका से बाहर की बैकों में लेनदेने किये जाने के कारण लोगों में दहशत देखने मिलती है? मगर इसके बाद भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी के चलते क्षेत्र के विकास पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोग परेशानियों से घिरे हुए देखे जा रहे है।

बगैर परमिट दौड़ रहे अनेक कंपनियों में किराये से लगे हुये चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

आबादी के बढ़ते दबाव के बीच जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वास वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है। मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप,मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवाहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली,शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित करते हुये जान पड़ रहे है?

आये दिन चीचली मार्ग रेल्वे गेट पर बन रही जाम की स्थिति आमजन हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि चीचली ओर जाने वाले मार्ग पर नगर के रेल्वे स्टेशन के समीप बना हुआ गेट नगरवासियों को लगातार परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है। यह बात अलग है कि आमजन की परेशानियों को ध्यान में रखते हुये यहां पर ओवर ब्रज का निर्माण तो किया जा रहा है, मगर उसकी धीमी गति के चलते अनुमान लग रहा है कि शायद यह ब्रज शायद ही पांच साल के पहले निर्मित हो पाये यह संभव नही हो सकता है? इस स्थिति में देखा जा रहा है कि एनटीपीसी के लिये लगातार आने वाले कोयला के चलते यहां पर ट्रेनों को आगे पीछे किये जाने के चलते दिन में अनेकों बार कई घंटों तक रेल्वे गेट बंद रहने से जाम की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पा रही है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार को उस समय देखने मिली जब लगभग दो घंटे तक रेलवे गेट बंद रहने के कारण गेट के दोनों ओर वाहनों की लम्बी लाईने लगी हुई देखी गई और लोग चीचली की ओर जाने व वहां से आने के लिये परेशान होते हुये देखे गये।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री आवास निर्माण के लिये भूमि आवंटित करने की मांग

डिण्डौरी। जिले में ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया गया है, और जिनके पास निजी भूमि हैं उनके द्वारा प्रधानमंत्री आवास का निर्माण किया जा चुका है, या निर्माणाधीन है लेकिन ऐसे अनेकों हितग्राही हैं जिनका प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत तो किया जा चुका है, लेकिन निजी भूमि नहीं होने से आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। कुछ ग्राम पंचायतों में सरकारी भूमि पर आवास निर्माण की अनुमति दे दी गई है, लेकिन अब भी अनेकों हितग्राही भूमि नहीं होने से आवास निर्माण नहीं करा पा रहे हैं। जिसके बाद ग्रामीण भूमि आवंटित करने की मांग लेकर कलेक्टेट पहुंच रहे हैं। ऐसा ही मामला विगत दिन सामने आया ग्राम पंचायत पडरियाकला जनपद पंचायत शहपुरा निवासी रामबनी झारिया कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर प्रधानमंत्री आवास निर्माण के लिये भूमि आवंटित करने की मांग की हितग्राही रामबनी झारिया ने आवेदन में उल्लेख किया है, कि वह भूमिहीन गरीब आदमी है। और सरकारी जमीन पर कच्चा मकान बनाकर निवासरत है। उसका प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हो गया है। और जिस स्थान पर उसका मकान बना हुआ है, वहीं प्रधानमंत्री आवास बनाना चाहता है, लेकिन सरपंच, सचिव द्वारा आवास निर्माण की अनुमति नहीं दे रहे हैं। ऐसी दषा में उसे अन्यंत्र जगह शासकीय भूमि आवंटित की जाये ताकि वह प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कर सके।

कोतमा-भालूमाड़ा सड़क की गुणवत्ता की जांच की मांग

कोतमा। एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र अंतर्गत कोतमा से भालूमाड़ा जाने वाली सड़क अत्यंत जर्जर हो गई है। मुख्य सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं लोगों को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि कोल प्रबंधन के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से डामरीकरण युक्त सड़क का निर्माण कर करवाया गया था लेकिन एक साल भी नहीं बीते चंद दिनों में ही सड़क जर्जर हो गई जिससे सड़क की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लोगों के द्वारा खड़े किए जा रहे हैं। कोतमा से भालूमाड़ा जाने वाले रास्ते में पेट्रोल पंप के सामने बड़ा गड्ढा हो गया है इसके साथ ही अशोक त्रिपाठी की दुकान के पास से लगभग चार से पांच बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसके कारण दो पहिया वाहन चालक सवार गड्ढे दिखाई नही देने के कारण दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। बड़े वाहनों के चालकों को भी आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यह मार्ग मुख्य सड़क मार्ग है और इस सड़क से 24 घंटे लोगों का आना-जाना बना हुआ है नागरिकों ने कोल प्रबंधन से सड़क की गुणवत्ता की जांच करवाते हुए मरम्मत कार्य करवाए जाने की मांग की है।

मोटर साइकिल से गिरकर युवक हुआ घायल

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनईसांगवा में मोटरसाइकिल से गिरकर युवक घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया है। जिला चिकित्सालय चैकी पुलिस को दिए कथन में शिवम बिलागर पिता संतोष बिलागर उम्र 22 साल निवासी कनईसांगवा ने बतलाया कि शुक्रवार की रात मै मोटरसाइकिल से ग्राम देवरी से अपने घर आ रहा था। रात करीबन 11 बजे ग्राम कनईसांगवा में सीसी रोड में मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई, जिससे मै गिरकर घायल हो गया। सिर, कंधा, आंख, हाथ में चोट लगी है।

कृष्णपाल सैनिक स्कूल रीवा के लिए चयनित

डिण्डौरी सुभाषचंद्र बोस अंग्रेजी माध्यम स्कूल के मेधावी छात्र कृष्णपाल मरावी ने आल इंडिया सैनिक स्कूल के एंट्रेंस एग्जाम 2025 में सफलता हासिल की है परीक्षा में विशेष योग्यता प्राप्त करने के साथ ही छात्र रीवा सैनिक विद्यालय के लिए चयनित किया गया है।

झिरिया का पानी पीने मजबूर, हैंडपंप उगल रहे हवा कुंआ में भी नहीं है पानी

पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण, नलजल योजना बंद

डिण्डौरी

गर्मी बढने के साथ जल संकट गहराने लगा है, और लोग बूंद-बूंद पानी के लिये जद्दोजहद करते देखे जा रहे हैं। वहीं केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी जल जीवन मिशन योजना लापरवाही की भेंट चढ गई है जिले में ऐसे कई गाव हैं जहां नल जल योजना के नाम पर लाखों रूपये फूंक दिये गये हैं और सालों गुजर जाने के बाद भी काम पूरा नहीं हो पाया है। तो कहीं पाईप लाईन बिछाकर टंकी का निर्माण तो कर दिया गया है लेकिन सालों बीत जाने के बाद भी सप्लाई शुरू नहीं हुई है। जहां सप्लाई शुरू की गई लेकिन चंद दिनों बाद सप्लाई बंद हो गई जिसके पीछे पानी सप्लाई के लिये किया गया बोर सूखने का कारण बतलाया जा रहा है।

वहीं अनेकों गांव में नल जल योजना से महज डिब्बा दो डिब्बा ही पानी मिल पा रहा है जिससे ग्रामीणों को गुजारा करना मुश्किल पड रहा है ग्रामीण इलाकों में हालात ऐसे बने हैं कि हेंडपंप हवा उगल रहे हैं वहीं कुआं भी सूखने की कगार में हैं जिससे भारी जल संकट का सामना करना पड रहा है। आलम यह है, कि ग्रामीण इलाकों में बूंद - बूंद पानी सहेजने के लिये लोगों को लम्बा सफर तय करना पड रहा है। बावजूद इसके शुद्व जल नहीं मिल पा रहा है और दूषित पानी पीना पड रहा है। जिससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है, ग्रामीण शुद्व पेयजल उपलब्ध कराने के लिये ग्राम पंचायत से लेकर जिला प्रषासन तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कोई उनकी सुध लेने वाला नहीं है। ऐसी दषा में ग्रामीण झिरिया का पानी पीने को मजबूर हैं। विगत दिन करंजिया विकास खंड के ग्राम पंचायत जाडासुरंग के ग्रामीण कलेक्टेट पहुंचे थे जिनके द्वारा पेयजल संकट से निजात दिलाने के लिये कलेक्टर को आवेदन दिया था ग्रामीण राजकुमार ने बतलाया कि नकडबरी गांव की लगभग 150 की आबादी है लेकिन यहां जल जीवन मिषन के तहत पाईपलाईन नहीं बिछाई गई है, जिससे पेयजल नहीं मिल पा रहा है। गांव में हेंडपंप से पानी नही निकल रहा है, और कुंआ भी सूख चुके हैं। ऐसी दषा में ग्रामीणों को लगभग 1 किलोमीटर दूर से झिरिया का पानी लाकर गुजारा करना पड रहा है। झिरिया में भी पानी की कमी है जिसके कारण ग्रामीणों को महज पीने के लिये ही पानी मिल पाता है। निस्तार के लिये पानी के लिये भटकना पडता है, इंसानों के साथ मवेषियो को भी परेषानी पेष आ रही है। इसी तरह जिला मुख्यालय से लगे गांव उदरी माल में भी जल संकट से ग्रामीण जूझ रहे हैं कहने को तो गांव में जल जीवन मिषन के तहत कनेक्षन किये गये हैं, लेकिन घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने बतलाया कि पानी सप्लाई नहीं की जा रही है, लेकिन पेयजल कर के नाम से वसूली जरूर की जा रही है। हालात ऐसे हैं, कि पानी सप्लाई नहीं होने से लगभग एक किलोमीटर दूर से पानी लाकर उपयोग कर रहे हैं। आलम यह है, कि जिस कुंआ से ग्रामीण पीने के लिये पानी लाते हैं उसमें भी पानी की कमी होने के कारण कुंआ के भीतर नीचे उतरकर पानी सहेजना पड रहा है। जिससे जान का खतरा बना रहता है, कुल मिलाकर सरपंच, सचिव की लापरवाही के चलते पेयजल समस्या से जूझना पड रहा है।

भूमि अधिग्रहण का नहीं मिला मुआवजा

डिण्डौरी। जबलपुर से अमरकंटक तक निर्माणाधीन मार्ग में टोल प्लाजा के लिये अधिग्रहण की गई भूमि का किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है। जिससे किसान परेषान है, करंजिया विकास खंड अंतर्गत करौंदी निवासी लक्ष्मण प्रसाद बनावल पिता मालू राम बनावल ने बतलाया कि प.ह.नं. 228 रा.नि.मं. करंजिया में स्थित भूमि खसरा नम्बर 278/1 रकवा 1262 वर्ग फुट भूमि है, जो नेषनल हाईवे निर्माण में टोल प्लाजा स्थापित करने के लिये अधिग्रहित की गई है। लेकिन उक्त भूमि पर अब तक मुआवजा नहीं मिला है। इस बावद हल्का पटवारी एवं नायब तहसीलदार वृत्त करंजिया से पूंछने पर बतलाया जा रहा है, कि जिनकी जमीन हैं उन्हें उक्त भूमि का मुआवजा प्रदान कर दिया गया है। कृषक ने बतलाया कि जबकि जिस भूमि को शासन द्वारा अधिग्रहित की गई है, उसमें शोभाराम जगदीष तथा रमेष की भूमि भी शामिल है। इन्हें भी मुआवजा नहीं मिला है फिर यह कहा जाना कि जिनकी भूमि है उन्हें मुआवजा प्रदान कर दिया गया। ग्रामीणों ने बतलाया कि भूमि अधिग्रहित होने के बाद वह बेघर हो जायेगें और उन्हें गुजारा करना दूभर होगा। कलेक्टर को दिये आवेदन में मांग किये हैं कि उन्हें उनकी अधिग्रहित भूमि के एवज में मुआवजा प्रदान किया जाये।

अनियंत्रित होकर बारातियों से भरा पिकअप वाहन पलटा, 23 घायल दो की हालत गंभीर

घायलों का जिला चिकित्सालय में उपचार जारी

डिण्डौरी। कोतवाली थाना अंतर्गत अमरकंटक रोड स्थित सिमरिया तिराहा के पास रविवार की दोपहर लगभग 12 बजे बरातियों से भरा पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमें सवार 23 बराती घायल हो गये जिन्हें 108 एम्बुलेंस वाहन की मदद से जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को पुरानी डिण्डौरी में बरात में शामिल होने मडियारास से ग्रामीण आये हुये थे और रविवार की सुबह बिदाई के बाद पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 52 जीए 0984 से वापस मडियारास लौट रहे थे, पिकअप वाहन में दहेज की सामग्री के साथ बराती भी बैठे थे। इसी दौरान पिकअप वाहन अनियंत्रित हो गया और मार्ग से लगभग 10 फीट दूर गड्ढे में जाकर पलट गया। पुलिस ने वाहन चालक के विरूद्व मामला दर्ज करते हुये वाहन चालक नंद कुमार को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन का तीन दिवस पूर्व बीमा खत्म हो गया है, बावजूद इसके वाहन में सवारियां बैठाकर सामग्री परिवहन की जा रही थी। हादसे में सवार संतोष पिता रामविषाल वनवासी 23 वर्ष निवासी मडियारास, आषीष पिता जगतू लाल वनवासी 13 वर्ष निवासी मडियारास कातिकराम पिता बसोरा बनवासी उम्र 65 वर्ष निवासी मडियारास, नसीब पिता अनिल वनवासी उम्र 17 वर्ष निवासी मडियारास कृष्णा पिता वीरसिंह वनवासी उम्र 23 वर्ष निवासी मडियारास नितिन पिता मदन वनवासी उम्र 8 वर्ष निवासी मडियारास पन्ना लाल पिता अघनू वनवासी उम्र 65 वर्ष निवासी मडियारास राजन पिता संतराम वनवासी उम्र 14 वर्ष निवासी मडियारास दुबेस पिता कीर्तन वनवासी उम्र 18 वर्ष निवासी मडियारास मुन्ना पिता राजू वनवासी उम्र 45 निवासी कूंडा दुर्गेष पिता अषोक सरैया उम्र 17 वर्ष निवासी मडियारास राहुल पिता बुद्वू लाल वनवासी उम्र 19 वर्ष निवासी मडियारास उदय पिता विजय कुमार वनवासी उम्र 16 वर्ष निवासी मडियारास जयप्रकाष पिता प्रदीप वनवासी उम्र 7 वर्ष निवासी नरिया प्रवीण पिता लल्लू सिंह सरैया उम्र 18 वर्ष निवासी मडियारास वीरेन्द्र पिता संतोष वनवासी उम्र 22 वर्ष निवासी बडी खैरी मंडला कृष्णा पिता सिद्वू वनवासी उम्र 20 वर्ष निवासी मडियारास मोहित पिता अषोक कुमार धरैया उम्र 17 वर्ष निवासी चटुवा आदर्ष पिता रामकुमार वनवासी 10 वर्ष निवासी मडियारास अंष कुमार पिता परौहा उम्र 14 वर्ष निवासी मडियारास और बल्ले पिता धन्नी वनवासी उम्र 55 वर्ष निवासी मडियारास घायल हो गये। जिसमें एक युवक और एक वृद्व की हालत गंभीर बताई जा रही है, हादसे के बाद आने जाने वाले और स्थानीय लोगों ने मदद करते हुये 108 एम्बुलेंस वाहन से जिला चिकित्सालय में लाकर भर्ती कराया है। प्रत्यक्षदर्षियों के मुताबिक वाहन की रफ्तार तेज थी और बारिष भी हो रही थी जिससे दुर्घटना हो गई। घायल सवारों ने भी बतलाया कि चालक के द्वारा तेज गति और लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाया जा रहा था जिसे मना भी किया गया लेकिन चालक नहीं माना जिसके चलते वाहन दुर्घटना का षिकार हो गया। घटना के बाद दहेज की सामग्री भी यहां वहां बिखर गई गनीमत रही कि दुर्घटना में जान माल की हानि नहीं हुई। पुलिस ने घायलों की षिकायत पर चालक के विरूद्व बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर चालक को हिरासत में लिया है।

ग्राम पंचायत पिपरिया में जन कल्याणकारी शिविर का हुआ आयोजन

डिण्डौरी। कलेक्टर नेहा मारव्या के मार्गदर्शन और प्रशासन आपके द्वार की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से आम जनता की समस्यायों का निराकरण हेतु जनकल्याणकारी शिविर ग्राम पंचायत पिपरिया जनपद पंचायत बजाग में आयोजित किया गया। जनशिविर में जन समस्या निवारण के लिए सभी ग्रामीण आमजन शामिल हुए, ग्रामीणजन ने राजस्व मामलों से सम्बंधित समस्या से अवगत कराया, जिन पर गंभीरता से कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने शनिवार को गांव में कैंप लगाकर समस्त जिला अधिकारियों की मौजूदगी में आम जनता की समस्या का निराकरण किया गया। बाकी शेष समस्याओं को शीघ्र निराकरण करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। स्वास्थ्य विभाग की डॉक्टर टीम के द्वारा ग्रामीणों का आवश्यक जांच कर इलाज करते हुए दवा वितरण की,कृषि विभाग,पी एच ई, उद्योग विभाग वन विभाग,राजस्व विभाग, शिक्षा विभाग,महिला बाल विकास विभाग, आयुष विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग सहित समस्त विभागों के द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं से लोगों को लाभ दिलाने का प्रयास किया और शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। इस कल्याणकारी शिविर में क्षेत्रीय विधायक ओमकार मरकाम जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर एसडीएम बजाग रामबाबू देवागन सरिता पट्टा सरपंच तहसीलदार भरत सिंह जनपद पंचायत सीईओ एम एल धुर्वे डॉ संतोष परस्ते डॉ रमेश मरावी राधिका कुशरो दीपक आर्मो पेसा एक्ट अध्यक्ष भागूलाल बैगा, जनपद सदस्य अमित सिंह इंद्रजीत सिंह मरकाम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसमस्या निवारण कैंप में सभा को संबोधित करते हुए एसडीएम रामबाबू देवागन ने कहा कि सभी किसानों की जमीन का सीमांकन, नामांतरण, बटवारा पट्टा वितरण, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं मोबाइल के द्वारा धोखाधड़ी होने से बचाव हेतु महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की और लोगों को बताया कि आप लोग किसी भी मध्यस्थ से बचें। अपनी जमीनों को मत बेचिये, किसी भी कागज पर अंगूठा बिना पढ़े या अपने लोगों से पढ़ाया बगैर किसी भी पेपर पर अंगूठा मत लगाइए। जिला प्रशासन आपकी हर समस्या का निराकरण किया जाएगा। आप लोग भी बराबर सतर्क रहें। ताकि भविष्य में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। शिविर में मौजूद ग्रामीण लोगों ने सड़क और पानी पीने की समस्या मांग रखी, जिस पर जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार ने सम्बंधित अधिकारियों को समस्या का शीघ्र कारण करने के निर्देश दिए और सुदूर टोला से पिपरिया ग्राम तक ग्रेवल रोड बनाने के निर्देश दिए। विधायक श्री मरकाम ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन के द्वारा हर गरीब को योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन आपकी समस्या का निराकरण शीघ्र करेगा। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को स्कूल भेज कर पढ़ाया जाए ताकि शिक्षा का स्तर बढ़ेगा, पढ़ने लिखने से स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे नौकरी मिलेगी आपके जीवन में परिवर्तन आएगा। प्रशासन आपके द्वार की अवधारणा के तहत शिविर के माध्यम से आमजन की समस्याओं को निराकृत किया गया।

कृषि विभाग ने किसानों के बीच परंपरागत खेती को बढ़ावा देने के लिए चलाया जागरुकता अभियान

डिण्डौरी

जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भलखोहा में शनिवार को कृषि विभाग आत्मा परियोजना के नेतृत्व में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत ग्राम पंचायत भलखोहा में किसानों को जैविक खेती परंपरागत खेती को बढ़ावा देने, मृदा परीक्षण तथा नरवाई के संबंध जागरुकता अभियान चलाकर कृषि विस्तार अधिकारी हर्षवर्धन चैधरी व सिर्जेटा के संदीप मेहरा द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस मौके पर कलस्टर का गठन, कृषि सखी का चयन व मृदा पुनर्जीवन जल वायु गुणवत्ता में सुधार प्रास्थिति तंत्र जैव विविधता को बड़ाने पोषक तत्व से भरपूर भोजन का उत्पादन करने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए कार्बन का भंडारण कराने में मदद करती हैं जैव विविधता को प्रोत्साहित करने मिश्रित फसल को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक चक्र उत्पादन घनत्व उन्नत उत्पादन अपने प्रकृति का बचाव एवं मिट्टी परीक्षण के संबंध में बताया गया। इन्होंने बताया कि मिट्टी की परीक्षण के बाद ही खेतों में बोवनी करना चाहिए। इसके लिए मृदा नमूना लेने की विधि , इसके लाभ तथा उपजाऊ जमीन की मिट्टी में कितने प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते जैविक खाद का उपयोग कितना मात्रा में करना चहिए ये मिट्टी परीक्षण के रिपोर्ट से ही जानकारी मिलेगी इसलिए सभी कृषकों को चाहिए कि बोवनी के पूर्व मिट्टी की जांच कराकर ही बीज बोएं चैधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को बताया कि बीजोपचार कर कतारबद्ध तरीके से बोवनी करें और उन्नत किस्म के बीज का उपयोग करें, इसके साथ ही कोदो कुटकी एवं रागी के फसल को बढ़ावा देने के लिए समझाया वहीं जैविक खेती में मटका खाद,नाडेप टाका,वर्मीकंपोस्ट, जैविक कीटनाशक कैसे तैयार करें यह भी बताया गया कृषि यंत्रीकरण योजनान्तर्गत लाभ लेने हेतु आनलाइन पंजीयन तथा आधुनिक खेती कैसे कर उपज बढ़ाएं इस पर चर्चा किया गया। इन्होंने कहा कि यदि कृषक उपरोक्त नियमों के तहत फसलों की बोवनी करेगा तो निश्चित ही आपके फसलों में वृद्धि होकर अधिक अनाज का उत्पादन होगा और इस प्रकार आप अपने खेती को लाभ का धंधा बना सकते हैं। इसके अलावा खेती के साथ साथ आप मशरूम, मुर्गी पालन, तथा सब्जी उत्पादन करके भी अपने आय को बढ़ा सकें। इस दरमियान अधिकारियों ने बताया कि खेतों में नरवाई बिल्कुल न जलाया जाएं क्योंकि इससे मिट्टी में पाएं जाने वाले सूक्ष्म किस्म के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं जिसका सीधा असर फसलों पर पड़ता हैं। जागरुकता कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के दर्जनों छोटे बड़े किसान मौजूद रहें।

ग्राम बर्री में आयोजित हुई ट्रैफिक चौपाल

यातायात नियमों के प्रति जन जागरूकता लाने चलाया जा रहा अभियान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सड़क दुर्घटनाओ को रोकने हेतु पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन मे जन जागरूकता लाने ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैफिक चौपाल के माध्यम से सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है, उसी क्रम में ग्राम बर्री में ट्रैफिक चौपाल लगा कर उपस्थित जन को जानकारी दी गई। थाना प्रभारी यातायात द्वारा उपस्थित ग्रामीण जन को बताया गया कि सड़क दुर्घटना घटित होने के मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना, शराब के नशे में वाहन चलाना, ब्रेकिंग डिस्टेंस ना रखते हुए वाहन चलाना, गलत तरीके से सामने वाले वाहन को ओवरटेक करना, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाना, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी या माल का वहन कर वाहन चलाना, रोड पर लगे रोड साइन की अनदेखी कर वाहन चलाना, गलत तरीके से रोड क्रॉस करना, नाबालिक बच्चों द्वारा वाहन चलाना, पर्याप्त नींद लिए बिना अनिद्रा की स्थिति में वाहन चलाना , मालवाहकों में सवारी करना आदि आदि कारणओ से दुर्घटनाएं घटित होती है। वाहन हमेशा निर्धारित एवं सुरक्षित गति में चलाएं, नशे की हालत वाहन ना चलाएं, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग जरूर करें, रोड पर चलते समय आगे चल रहे वहां से लगभग 3 से 4 मीटर की दूरी आवश्यक रूप से रखें, ओवरटेक करने से बचे आवश्यक होने पर ही सावधानी रखते हुए दाहिने तरफ से ओवरटेक करे। मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन ना चलाएं, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन चलाने के लिए ना दें, वाहन का समय-समय पर मेंटीनेंस करवाए, जिससे वाहन का ब्रेक फेल होने या टायर फटने से होने वाले एक्सीडेंट से बचा जा सके, अनिद्रा या थकान की स्थिति में वाहन चलाने से बचे, ग्रामीण सड़क से मुख्य सड़क पर आते समय वहां धीमा करें आने जाने वाले वाहनों को देखकर ही मुख्य सड़क पर आए। अक्सर मालवाहक यान जैसे ट्रैक्टर ट्रॉली, पिकअप, मेटाडोर आदि वाहनों में बैठ कर आवागमन करते है, इनका निर्माण सवारियों की सुरक्षा की दृष्टि से नहीं होता, इनके पलटने की संभावना बहुत अधिक होती हैं, हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य में हुआ एक्सीडेंट जिसमें 13 लोगों की मृत्यु हुई इसके पूर्व शहडोल में एक्सीडेंट जिसमें 04 लोगों की मृत्यु हुई थी। माल यान में सवारी करने के कारण हुए थे, इसलिए ध्यान रखें इन वाहनों को आवागमन के साधन के रूप में उपयोग न करें। ट्रैफिक चौपाल कार्यक्रम में थाना प्रभारी यातायात ज्योति दुबे, सहायक उप निरीक्षक बृजेश सिंह चौहान, प्रआर मनीष सिंह, आर. गणेश यादव ग्राम पंचायत के सरपंच कमल सिंह सहित 50 से अधिक ग्रामीण उपस्थित रहे।

सरपंच, सचिव इंजीनियर हो रहे मालामाल

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा।

ग्राम पंचायत जमुनिहा इस समय चर्चा का विषय बना हुआ क्योंकि वहां के सरपंच सचिव और इंजीनियर की तिकड़ी मध्यप्रदेश के खजाने में पलीता लगाने में जुटा हुआ है। शासन की मंशा है कि ग्रामीण को विकास की मुख्य धारा में जोड़ा जाए लेकिन ये तिकड़ी मिलकर खुद का विकास करने में जुटी हुई है इनके काले कारनामे का पहला शिकार प्राथमिक पाठशाला जमुनिहा जिसकी बाउंड्री वाल गिर गई थी। नए बाउंड्री बाल के निर्माण में पुराने नींव के ऊपर गिरी हुई बाउंड्री बॉल का ईटा लगाकर तथा घटिया मसाला की जोड़ाई करवा कर फर्जी विल बनाकर सरपंच सचिव ओर इंजीनियर मिलकर 13 से 14 लाख रुपए डकार लिए गए, इसी तरह इनके द्वारा कई कचरा घर का घटिया निर्माण कराकर लाखों रुपए डकार लिए गए इसी तरह इनके द्वारा खाले टोला में भी पी सी सी रोड का घटिया निर्माणकर कई लाख का गमन मिलबाटकर किया गया,कुदरी टोला खेल गांव की बाउंड्री बाल का निर्माण इतना घटिया ओर निम्नस्तर का कराया गया है कि पहली बरसात झेल पाना मुश्किल है और धराशाई हो जाने की आशंका है। इस कार्य में कई लाख के गबन की आशंका है। जहां पुलिया का निर्माण कराया गया है वो किसी मतलब का नहीं है। इसी तरह स्कूल से मुड़धोवा के बीच 1200 मीटर ग्रेवल रोड का कार्य निर्माणाधीन है जो गुणवत्ताविहीन ओर घटिया संसाधन का उपयोग करके बनाया जा रहा है। मुरूम की जगह मिट्टी डालकर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसमें भ्रष्टाचार की बू आ रही है तथा शासन का पैसा डकारने का पुनः षडयंत्र हो रहा है। जमुनि हा की जनता जानना चाहती है कि उपरोक्त भ्रष्टाचार की जांच शासन प्रशासन द्वारा कराई जाएगी क्या।

खबर संक्षेप

ट्रेक्टर पलटने से युवक घायल

नरसिंहपुर। गत दिवस अनियंत्रित होकर पलटा ट्रेक्टर युक घायल इलाज जारी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राजकुमार यादव उम्र 43 वर्ष ढारिया थाना मुंगवानी ईट लेने के लिए आया हुआ था तभी कोदरास के पास ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमे राजकुमार घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है। वहीं पुलिस मामले की जांच मे जुटी हुई है।

सड़कों पर बह रही गंदगी

तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां स्वच्छता अभियान को लेकर जन जागरण अभियान चलाये जाने के साथ ग्राम पंचायतों को भरपूर राशि आवंटित की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में बजबजाती नालियां निस्तार का पानी बीच सड़कों पर बहने जहां तहां कचडों के ढेर विभिन्न प्रकार की संक्रामक बीमारियों मच्छरों को बढ़ावा दे रही है। और जवाबदार सफाई कर्मी ना होने का रोना रोकर अपना पल्ला झाड़ते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण समीपी ग्राम बरांझ खमरिया में देखने को मिला जहां पर गांव की मुख्य सड़कों पर नालियों के माध्यम से निस्तार का गंदा पानी और जल भराव की स्थिति बनी हुई है। जिससे ग्राम में मच्छरों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। नियमित साफ सफाई व्यवस्था भी लगभग शांत पड़ी हुई है। लोगों का कहना है कि सड़क मार्ग पर बहने वाले निस्तार के पानी को रोके जाने के साथ नालियों की साफ सफाई नियमित कराई जाये।

मंगलवार को वटसावित्री एवं शनि जयंती

तेंदूखेड़ा। सूर्यादि सभी गृह अश्विनी से लेकर रेवती तक सभी नक्षत्रों में भ्रमण करते रहते हैं।उसी क्रम में कल रविवार से भुवन भास्कर सूर्य नारायण का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश हो गया है।लगभग 15दिन तक सूर्य इस नक्षत्र में रहते हैं। प्रारंभ से लेकर 9 दिनों तक की अवधि को नवतपा कहा जाता है।इस समय सूर्य का ताप बहुत तेज होता है।जल के वाष्पीकरण के साथ जलचक्र सुव्यवस्थित होकर वर्षा ऋतु में अच्छी वर्षा के योग बनते हैं। नवतपा में इस वर्ष मौसम की गड़बड़ी से वर्षा भी प्रभावित हो सकती है। चूंकि शुरू दिन तेज धूप तो नहीं रही लेकिन दिन भर बादल छाए रहने के साथ उमस भरी गर्मी से हर वर्ग बैचेन देखा गया।

वटसावित्री व्रत आज -वटसावित्री का व्रत हमारे क्षेत्र में ज्येष्ठ मास की अमावश्या को किया जाता है। हमारे क्षेत्र के विद्वान पौरोहित्य कर्मकाण्ड स्नातक आचार्य चतुष्टय वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य पं प्रमोद पचौरी ने बताया कि इस वर्ष सोमवार के दिन अपराह्न व्यापिनी अमावस्या को वट सावित्री व्रत किया जायेगा।इस दिन सौभाग्यवती स्त्रियां अपने अखण्ड सौभाग्य के लिए व्रत रखती हैं। वट वृक्ष का जल चंदन अक्षत रोली सिन्दूर धूप दीप नैवेद्य अर्पित कर पूजन किया जाता है। सत्यवान सावित्री और यमराज का विधिवत पूजन किया जाता है और अपने पति की दीर्घायु सुख समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना करतीं हैं।वट वृक्ष में पीले धागे को लपेट कर परिक्रमा की जाती है।

शनि की कृपा के लिए करें उपाय- उदयकालीन अमावश्या मंगल वार को शनि जयंती का महापर्व मनाया जायेगा।इस दिन शनि देव की विधिवत पूजा करके तेल से भगवान शनिदेव का अभिषेक कर शनि कृपा को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि शनि की महादशा अंतर्दशा साढेसाती अथवा ढैया दशा से पीड़ित लोगों को भगवान शनिदेव का तिल अथवा सरसों तेल से अभिषेक करना चाहिए। पीपल का पूजन और दीपदान करें।

किसानों के हित में कांग्रेसजनों ने सौंपा ज्ञापन

सरकार की वादा खिलाफी पर की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस जिले में किसानों की गर्मी की मूंग फसल मूंग की सरकारी खरीद एम.एस.पी पर करने एवं किसानों के अन्य मुद्दों को लेकर जिला किसान कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। किसान कांग्रेस के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, किसानों ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते सरकार को किसान विरोधी बताया। साथ ही सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई।

नही हो रहा मूंग का पंजीयन

भोपाल से आए प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान ने कहा कि नरसिंहपुर जिले में गर्मी की मूंग की फसल बहुतायत में होती है आज की स्थिति में फसल कटाई शुरू हो चुकी है लेकिन शासन स्तर पर अभी न तो किसानों के पंजीयन शुरू हुए है न ही सरकारी स्तर पर खरीद की घोषणा हुई है जिससे किसानों के बीच संशय की स्थिति बनी हुई है। जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष पटेल ने कहा कि जिले के किसान आपसे मांग करते है कि मूंग की खरीद की घोषणा तुरंत करे। जिससे पंजीयन का कार्य तुरंत शुरू हो सके और तुलाई समय से शुरू हो सके।

इनकी रही उपस्थिति

उक्त मौके पर प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र चैहान, पूर्व विधायक संजय शर्मा, सुनील जायसवाल, सुनीता पटेल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, कांग्रेस नेता दीवान शैलेंद्र सिंह, सुरेन्द्र पटेल, महेंद्र पटेल, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष संतोष पटेल के अलावा बड़ी संख्या में किसान कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद थे।

गन्ना किसानों का शीघ्र कराया जाए भुगतान

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि किसानों के लिये बिजली का अभाव, अघोषित कटौती एक बडी समस्या बनी हुई है जिससे फसलों में नुकसान उठाना पड रहा है फसलों के साथ आम जनमानस को गर्मी में बहुत परेशानी हो रही है ।तेन्दूखेडा तहसील के राजमार्ग चैराहा से 2 नेशनल हाइवे गुजरते है जिनका विगत वर्षों में विस्तारी करण हुआ है इस विस्तारी निर्माण के कारण बरसात के पानी की निकासी की व्यवस्था भंग हो गई है जिससे लगभग पांच हजार एकड खेती में बरसात का पानी भरा रहता है और यह खेती एशिया महाद्वीप की सबसे अच्छी खेती है किसानो को अपने पंपो से पानी निकाली करनी पडती जिससे बहुत समय और पैसा खर्च करना पड़ता है। साथ ही शुगर मिलों का बकाया भुगतान तत्काल कराया जाए। इसके अलावा अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग की गई है।

शिक्षा विभाग में परिवेदना शिविर हुआ आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय चावरपाठा शिक्षा विभाग के निर्देश पर शिक्षकों के लिए ब्लॉक स्तरीय परिवेदना शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों से प्राप्त समस्याओं को निराकृत करने बीईओ ऑफिस का अमला और संकुल स्तरीय अमला मौजूद रहा। विकासखंड शिक्षा अधिकारी पंचम सिंह मरावी के निर्देशन में शिविर की व्यवस्थाएं की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय मामलों और सेवा अभिलेख संबंधी मुख्य रूप से शिक्षकों से कुल 32 आवेदन पत्र जमा हुए। जिसे राज्य, जिला स्तर पर प्रेषित करने स्थानीय स्तर पर न सुलझने वाले प्रकरण स्कुटनी कर निराकरण के लिए भेजा जायेगा। स्थानीय स्तर की समस्याओ को मौके पर ही निराकृत करने की जानकारी प्राप्त हुई है।शिक्षकों के साथ सहयोगार्थ म प्र शिक्षक संघ चांवरपाठा के वरिष्ठ सदस्य परवेज अख्तर खान, राजेश ठाकुर जिला उपाध्यक्ष मप्र शिक्षक संघ नरसिंहपुर के नेतृत्व में शिक्षक संघ के सदस्यो ने परिवेदना शिविर में उपस्थित रहकर शिक्षको की समस्या निदान शिविर में शिक्षकों का सहयोग किया। संघ के प्रतिनिधियों ने शिक्षकों की समस्याओं को फौरी तौर पर तत्काल निराकरण की उचित व्यवस्था साल भर निर्धारित कर नियमित रूप से मासिक रूप से करने की बात कही है।

आज उप राष्ट्रपति कृषि उद्योग समागम का करेंगे शुभारंभ

नरसिंहपुर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार 26 मई को नरसिंहपुर आयेंगे। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ यहां कृषि उद्योग समागम का शुभारंभ करेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ अपनी पत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ के साथ सोमवार 26 मई को प्रात 9.45 बजे भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री धनखड़ प्रात 11.25 बजे जबलपुर एयरपोर्ट आयेंगे और दोपहर 12.05 बजे भारतीय वायुसेना के विशेष हैलीकॉप्टर से नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री धनखड़ दोपहर 12.15 बजे हैलीपेड नरसिंहपुर आयेंगे। हैलीपेड पर उनका स्वागत किया होगा। इसके पश्चात उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ दोपहर 12.25 बजे से दोपहर 1.25 बजे तक कृषि उपज मंडी के पीछे कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और समागम कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 1.30 बजे से दोपहर 2.5 बजे तक भोजन ग्रहण करेंगे। तदुपरांत दोपहर 2.10 बजे कार्यक्रम से हेलीपेड के लिए रवाना होंगे। यहां दोपहर 2.15 बजे से दोपहर 2.25 बजे तक विदाई कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था में परिवर्तन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय में आयोजित कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम के चलते यातायात व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल मंगुभाई पटेल व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी मौजूदगी में कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम 26 मई को नरसिंहपुर में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के शामिल होने के लिए कृषकगण को नरसिंहपुर एवं आसपास के जिलों से आने वाले वाहनों से कर्यक्रम स्थल तक पहुंच मार्ग के लिए पुलिस प्रशासन नरसिंहपुर द्वारा आवश्यक व्यवस्था की गई है। जबलपुर, सिवनी, मंडला व डिण्डोरी से दादा महाराज- खमतरा तिराहा एनएच 44 के निर्माणाधीन पुल के नीचे से रेलवे स्टेशन परशुराम तिराहा होकर मंडी चैराहा पहुंचेगी। छिंदवाड़ा से सिंहपुर चैराहा एनएच 44 फ्लाई ओव्हर के नीचे से दाहिनी ओर से खमतरा तिराहा एनएच 44 निर्माणाधीन पुल के बायी ओर से रेलवे स्टेशन, परशुराम तिराहा होकर मंडी चैराहा पहुंचेगी। रायसेन, सागर एवं दमोह- करेली, खैरीनाका, गुलाब चैक, गांधी चैक, सुभाष चैक, आष्टांग तिराहा, सांकल तिराहा से इंडियन ढाबा होते हुए मंडी चैक पहुंचेगी। उक्त सभी जिलों से आने वाले हितग्राहियों को स्थानीय मंडी चैराहे पर उतारा जायेगा। जहां से कार्यक्रम स्थल की दूरी 100 मीटर है। उक्त स्थान से सभी कृषकगण को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने में यातायात पुलिस नरसिंहपुर सहायता करेगी। नरसिंहपुर शहर से प्रतिदिन गाडरवारा, सागर, सिवनी, जबलपुर एवं छिंदवाड़ा आने- जाने वाली बसें जो नवीन बस स्टैंड से संचालित होती है, सभी बसों का संचालन उक्त समय में नरसिंहपुर शहर में पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा। जबलपुर, सिवनी से नरसिंहपुर आने- जाने वाली बसों का संचालन प्रकाश लूनावत एचपी पेट्रोल पंप के पास एनएच 44 से रहेगा। छिंदवाड़ा से नरसिंहपुर आने- जाने वाली बसों का संचालन एनएच 44 सिंहपुर चैराहे फ्लाई ओव्हर के पास से रहेगा। गाडरवारा, सागर एवं राजमार्ग चैराहे से नरसिंहपुर आने- जाने वाली बसों का संचालन चावरा विद्यापीठ के पास से रहेगा। सभी प्रकार के दो पहिया, चार पहिया, मालवाहक एवं व्यवसायिक वाहन सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक मुशरान पार्क से रेलवे स्टेशन तक पूर्णत प्रतिबंधित रहेंगे। नरसिंहपुर शहर में मुशरान पार्क से सुभाष चैक मेन रोड पर यातायात का अत्याधिक दबाव होने से सभी प्रकार के भारी वाहनों का नरसिंहपुर शहर में प्रवेश पूर्णतरू प्रतिबंधित रहेंगे। उक्त समय में सभी प्रकार के चार पहिया, तीन पहिया एवं दो पहिया वाहन सुभाष चैक से आष्टांग चिकित्सालय, सांकल तिराहा, सुनका चैराहा, मुशरान पार्क से होकर सिंहपुर तिराहा वाले मार्ग का उपयोग कर सकते है। कार्यक्रम के दौरान सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन के सामने वाली रोड पर यातायात का अत्याधिक दबाव रहेगा। जिससे होने वाली परेशानी से बचने के लिए आने- जाने वाले यात्रीगण रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए प्लेटफार्म नम्बर 2 का उपयोग करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बच सके। नरसिंहपुर शहर से प्लेटफार्म नम्बर दो पर जाने के लिए बरगी ब्रिज से होकर एनएच 44 से होकर रोसरा ग्राम से होते हुए रेलवे प्लेटफार्म नम्बर दो पहुंचनें के मार्ग का उपयोग कर सकते हैं।

20 दिवसीय रोजगार उन्मुखीकरण प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत आई टी, आई टी ई एस विषय की कक्षा दसवीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं के 20 दिवसीय रोजगार उन्मुखीकरण प्रशिक्षण (ओ जी टी) विद्यालय में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं को संस्था में चल रहे कोर्स, ऑनलाइन विभिन्न कार्य यथा फॉर्म अपलोड, इंटरनेट के माध्यम से आधार कार्ड डाउनलोड, लेमिनेशन कार्य, फोटोकॉपी, बिजली बिल का भुगतान, आधार कार्ड जनरेट, पासपोर्ट साइज फोटो निर्माण, कंप्यूटर नेटवर्क संबंधित एचटीएमएल टैग का उपयोग, एक्सेल शीट पर वर्क इत्यादि अनेक कार्यों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ओजीटी सर्टिफिकेट वितरण के साथ संपन्न हुई। प्राचार्य एस के बख्शी की मार्गदर्शन में संपन्न हुई। भावना मिश्रा जे पी कोरी, जनशिक्षक दीपक दुबे, संतोष विश्वकर्मा, प्रशांत नामदेव का प्रशिक्षण के दौरान सहयोग प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ द्वारा कल सौंपा जाएगा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा । विगत दिवस राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ जिला नरसिंहपुर की बैठक ग्राम इकाई डोभी में संपन्न हुई ।जिसमें ग्रीष्म कालीन मूंग खरीदी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं विद्युत विभाग की चल रही मनमानी पूर्ण कार्यशैली अनियमिताएं और समस्याओं के निराकरण को लेकर 27 मई मंगलवार को तेंदूखेड़ा स्थित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के मध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री श्री डा. मोहन यादव एवं कलेक्टर जिला नरसिंहपुर को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके पूर्व सभी कृषक एकत्रित होकर किसान नेता स्व एकम सिंह पटेल को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज लि.
बचई जिला नरसिंहपुर
जिले के किसानों को मिलने वाली है एथेनॉल प्लांट की सौगात .....

उपराष्ट्रपति
मान. जगदीप धनखड़

राज्यपाल
मान. मंगु भाई पटेल

सीएम
मान. मोहन यादव

जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में आयोजित कृषि - उद्योग समागम में पधारे मान. अतिथियों एवं किसान भाइयों का हार्दिक वंदन अभिनंदन.....

हमारा लक्ष्य ......
किसानों के हित में सदैव तत्पर।
हमारा प्रयास गन्ना किसानों को समय पर भुगतान।
किसान भाई डेयरी उद्योग के लिए आगे आएं
हर किसान कम से कम दो गाय अवश्य पालें।
किसानों को जैविक पशु आहार उपलब्ध कराया जावेगा।

महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज लि.
बचई जिला नरसिंहपुर

नवाब रजा
प्रबंध संचालक

सैफ रजा संचालक
साहिल रजा संचालक

सौ.- महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज लि. बचई जिला नरसिंहपुर

दुकान शेड निर्माण में प्रयुक्त किया जा रहा था जंग लगा लोहा और एक्सपायरी डेट का सीमेंट, मिट्टी वाली रेत

तेंदूखेड़ा। कृषि उपज मंडी परिसर में खाली पड़ी जमीन पर मंडी द्वारा लगभग 36 दुकानें दो करोड़ की लागत से बनाई जा रही थी। इन दुकानों की निविदा निकालकर इच्छुक लोगों को आवंटित किया गया है। सभी 36 दुकानें अलग-अलग साइज की है। और 50 प्रतिशत शुल्क लेकर एक निश्चित समय के लिए आवंटित की गई है।जिन व्यक्तियों द्वारा दुकानें ली है उन्हें विश्वास में लिए बगैर ही निर्माण शुरू हो गया लेकिन इस निर्माण कार्य में जंग लगा लोहा एक्सपायरी डेट का सीमेंट और मिट्टी वाली रेत प्रयुक्त की जा रही थी।इसकी जानकारी क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल को लगते ही अचानक मंडी परिसर में जहां दुकानों का निर्माण चल रहा है वहां पर पहुंच गये। निर्माण कार्य और सामग्री गुणवत्ता देखकर दंग रह गए और तत्काल कृषि मंत्री से लेकर मंडी बोर्ड के अधिकारियों को इसकी जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच कराने के साथ संबंधित ठेकेदार का ठेका निरस्त कर दंडात्मक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। जैसे तैसे काम रुक गया। और बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचे लेकिन गुपचुप तरीके से औपचारिकता निभाकर चले भी गए।जिसकी भनक किसी दुकान दार को भी नहीं लगने दी।इस संबंध में जब मंडी के सचिव श्री शोभाराम ठाकुर से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि अचानक आना हुआ था इसलिए किसी को जानकारी नहीं दे पाए। जबकि संबंधित दुकान दारों का कहना है कि मंडी के इंजिनियर और अधिकारी कर्मचारी ठेकेदार को बचाने के चक्कर में लीपापोती में लगे हुए हैं। यदि अधिकारी आये थे तो सबको विश्वास में लेकर बात होनी थी।हम लोग भी अपनी बात रखते। मंडी बोर्ड के इंजिनियर विकास मरकाम का कहना है कि निर्माण में प्रयुक्त हो रहे मटेरियल की जांच इंजीनियरिंग कॉलेज जबलपुर लैब टेस्टिंग को भेजी गई है। और संबंधित ठेकेदार को नोटिस भी दिया गया है।

काम करोड़ों के और सुविधाएं उपयोग रत्ती भर नहीं - बसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि यहां पर यह बनीं हुई है कि इस मंडी को अधिकारियों ने चारागाह का अड्डा बना लिया है। यहां पर हमेशा करोड़ों रुपए के काम तो होते जिनमें इंजीनियर और ठेकेदारों की मिली भगत हो जाती है लेकिन किसानों और व्यापारियों को यहां पर कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं होती है। यहां तक कि गांव के अन्य व्यापारी कृषक और जनप्रतिनिधि जब हस्तक्षेप करते हैं तब कहीं मंडी में घोष विक्रय शुरू हो पाता है। यहां पर लंबे समय से जमा बैठा स्टाप ही इस मंडी में कोड में खाज का काम कर रहा है। चूंकि भारसाधक अधिकारियों द्वारा भी उचित ध्यान नहीं दिया जाता है जिसका फायदा उक्त कर्मचारी उठा रहें हैं। क्षेत्रीय कृषक भी कभी आगे आते नहीं।इस मंडी का क्षेत्र नर्मदा दक्षिणा खंड सिहोरा से लेकर सागर जिले की सीमा से लगे नर्मदा उत्तराखंड राजमार्ग और रायसेन जिले की सीमा मदनपुर तक लगा हुआ है। कृषि उपज अन्य क्षेत्रीय मंडियों में बिकने जा रही है। और केवल कागजों में आय में बढ़ोतरी दर्शाकर तेंदूखेड़ा के व्यापार व्यवसाय को सोची समझी रणनीति के तहत बाधित किया जा रहा है।इस विषय को अनेकों बार जनप्रतिनिधियों के सामने भी रखा गया है कुछ समय अच्छा चलने के बाद फिर वही ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ होने लगती है।